

एक नजर

पंचायत सतीवा में कबिस्तान की जमीन मापी कर मामले को सुलझाया, बीड़ीओ



पाठ। प्रखंड के सतीवा पंचायत के सतीवा गाव में विवाह कई महीनों से कबिस्तान की जमीन मापी की कार्य लंबित पड़ा हुआ था। इस कबिस्तान की जमीन को अमीन द्वारा कई बार मापी कराई जाती थी, लेकिन विवाह के घेरे में पड़ जाता था। इसकी सूचना प्रियोंने पर बीड़ीओं अधिकार कुमार द्वारा ने अंतर्व्य के साथ अमीन, पाठन थाना के ए साड़े सुनील कुमार अपने दलबल के साथ कबिस्तान के स्थल पर पहुंचे। गांव के दोनों समुदाय के लोग मौके पर उपस्थित हुए और बीड़ीओं ने अमीन के द्वारा सटीक मापी करायी गयी। मौके पर उपस्थित मुखिया अधिकारी यासवान, अंचल सहायक कुमार समेत अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

बच्चों ने बनाई फलों से मनोहारी आकृति

मेदिनीनगर। स्थानीय ऑफिसर्स एवं पब्लिक स्कूल में शिनिवार को प्रूफस विद फन (प्रूफस पार्टी) समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में ग्रीन संसार से कक्षा नूरीय तक के छात्रों ने फलों से निर्मित विभिन्न प्रकार की मनोहारी आकृति एवं सजावट का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, खरबजा, अंगूष्ठ, सबूत और केला इत्यादि फलों का काराक कलाकृति बनाई गई। नई शिक्षा नीति में फारांडेशनल स्टेंज के तहत नवे सत्र के आरंभिक अवसर पर बच्चों के नवीन कक्ष के प्रति विशेष सचिव और विद्यालय के प्राचार्य डॉ. एक सिंह ने कहा कि फलों के इस्तेमाल से हाँगेर शरीर में इन्हने शक्ति वृद्धि होती है। बच्चों के कक्षात् रुचियां प्रदान करने में सहायक होती है।

पांकी प्रखंड की छात्राओं ने मैट्रिक की परीक्षा में बेहतरीन प्रदर्शन किया है

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। पांकी प्रखंड में जैक मैट्रिक का रिजल्ट घोषित किया गया है। इसमें लड़कियों ने भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। पांकी प्रखंड में पहले पायदान पर अद्वितीय कुमारी हीं, जिन्होंने 458 अंक लाकर प्रखंड के मान बढ़ाया। वहीं खुशी कुमारी 454 अंक और स्वामी कुमारी 451 अंक प्राप्त किया है। ये दोनों छात्राएं प्रोजेक्ट हरिवंश नारायण बालिका उच्च विद्यालय पांकी की हैं। डॉ. वीरेन्द्र कृष्ण रामबली उच्च विद्यालय कोनवाह पांकी को नामवार्दी के छात्र अधिकार कुमार 451 अंक लाकर उच्च विद्यालय कोनवाह का नाम रोशन किया है। ये दोनों छात्राएं प्रोजेक्ट हरिवंश नारायण बालिका उच्च विद्यालय पांकी की हैं। डॉ. वीरेन्द्र कृष्ण रामबली उच्च विद्यालय कोनवाह पांकी को नामवार्दी के छात्र अधिकार कुमार 451 अंक लाकर उच्च विद्यालय कोनवाह का नाम रोशन किया है। ये दोनों छात्राएं प्रोजेक्ट हरिवंश नारायण बालिका उच्च विद्यालय पांकी की हैं। डॉ. वीरेन्द्र कृष्ण रामबली उच्च विद्यालय कोनवाह पांकी को नामवार्दी के छात्र अधिकार कुमार 451 अंक लाकर उच्च विद्यालय कोनवाह का नाम रोशन किया है। ये दोनों छात्राएं प्रोजेक्ट हरिवंश नारायण बालिका उच्च विद्यालय पांकी की हैं। डॉ. वीरेन्द्र कृष्ण रामबली उच्च विद्यालय कोनवाह पांकी को नामवार्दी के छात्र अधिकार कुमार 451 अंक लाकर उच्च विद्यालय कोनवाह का नाम रोशन किया है। ये दोनों छात्राएं प्रोजेक्ट हरिवंश नारायण बालिका उच्च विद्यालय के प्राचार्य एवं विद्यालय के प्रथम श्रेणी में 266 छात्राएं सफल रही हैं, जबकि दूसरी श्रेणी में 151 छात्राओं और तीसरी श्रेणी में 23 छात्राओं सफलता पायी है। वहीं, पांकी के राजकीय तंत्र पर उच्च उच्च विद्यालय के प्राचार्य कुमारी ने बायोग और अंगूष्ठ विद्यालय के विद्यार्थी ने बायोग और अंगूष्ठ विद्यालय के प्रथम श्रेणी में 194 छात्राओं के उपयोग करने पर शुल्क देना पड़ेगा। श्री विवारी ने बताया कि शिवाजी मैदान के 12 घंटे के इस प्रकार के आयोजनों के उपयोग की फीस 92 हजार तय की गई है। उहोंने बताया कि अब शिवाजी मैदान का उपयोग करने पर शुल्क देना नहीं होगा। वहीं, पांकी के राजकीय तंत्र पर उच्च उच्च विद्यालय के प्राचार्य कुमारी ने बायोग और अंगूष्ठ विद्यालय के विद्यार्थी ने बायोग और अंगूष्ठ विद्यालय के प्रथम श्रेणी में 194 छात्राओं के उपयोग करने पर शुल्क देना पड़ेगा। श्री विवारी ने बताया कि शिवाजी मैदान के उपयोग में लाने और लेने के लिए अनंतालन आवेदन देने की व्यवस्था कर दी गई है।

समस्या

गजानन माता मंदिर में होती है शक्ति की पूजा : महंत

भारत में दो ऐसे मंदिर हैं जहां शक्ति की पूजा होती है



नवीन मेल संवाददाता
हुसैनाबाद। ज्ञारखंड-बिहार की सीमा पर स्थित गजानन माता मंदिर मेल चैत नवारात्रि के साथ पूर्णिमा को संपन्न हो गया। इस संबंध में पटना के ओलारपुर के सूर्यमंदिर के महंत सह गजानन माता मंदिर के महंत श्री श्री 108 श्री अवध बिहारी महाराज ने बताया कि भारत में दो ही ऐसा मंदिर हैं जहां शक्ति की पूजा होती है।

गजानन माता मंदिर आज भी निराकार है।

शक्ति स्वरूपिणी मां गजानन माता मंदिर

को लिए पौर्ण सहयोग मिलता रहा है। ज्ञारखंड के कुछ भूमिका विद्यार्थी ने बताया कि भारत के लिए पौर्ण सहयोग मिलता रहा है।

ज्ञारखंड के कुछ भूमिका विद्यार्थी ने बताया कि भारत के लिए पौर्ण सहयोग मिलता रहा है।

ज्ञारखंड के कुछ भूमिका विद्यार्थी ने बताया कि भारत के लिए पौर्ण सहयोग मिलता रहा है।

ज्ञारखंड के कुछ भूमिका विद्यार्थी ने बताया कि भारत के लिए पौर्ण सहयोग मिलता रहा है।

ज्ञारखंड के कुछ भूमिका विद्यार्थी ने बताया कि भारत के लिए पौर्ण सहयोग मिलता रहा है।

ज्ञारखंड के कुछ भूमिका विद्यार्थी ने बताया कि भारत के लिए पौर्ण सहयोग मिलता रहा है।

मंदिर में हर वर्ष दो बार मेला का होता है आयोजन

मंदिर में हर वर्ष दो बार मेला का आयोजन होता है। विदित हो कि दो राज्यों की अपार भीड़ द्वारा संपूर्ण का दिन लगती है। यहां न तो किसी भी तरह का पूलिस प्रशासन का ध्यान सुखिया की दृष्टिकोण से रहता है न ही एक चौकीदार की नियुक्ति बिहार सरकार द्वारा की जाती है। जबकि गजानन माता

मंदिर में वर्ष में प्रत्येक दिन बाहर श्रद्धालुओं का आने-जाने का तांत्र लगा रहता है।

ऐसे अस्थिवास माह की वर्षाग्रन्थि विद्यार्थी ने स्पष्टीय के लिए पौर्ण सहयोग मिलता रहा है।

पुराणा परम्परा के अनुमार आज भी बिहार ज्ञारखंड के अलावा कई राज्यों के लोग

शक्ति स्वरूपिणी मां गजानन माता मंदिर

के लिए पौर्ण सहयोग मिलता रहा है।

ज्ञारखंड के कोपायक्ष नेशनल मेला को संपन्न

करने के लिए पौलीडीह पंचायत के पूर्व

मुखिया अध्यक्ष कुमार सिंह के अलावा, मंदिर के कोपायक्ष के कोपायक्ष नेशनल मेला को संपन्न

करने के लिए पौलीडीह पंचायत के पूर्व

मुखिया अध्यक्ष कुमार सिंह के अलावा, मंदिर के कोपायक्ष के कोपायक्ष नेशनल मेला को संपन्न

करने के लिए पौलीडीह पंचायत के पूर्व

मुखिया अध्यक्ष कुमार सिंह के अलावा, मंदिर के कोपायक्ष के कोपायक्ष नेशनल मेला को संपन्न

करने के लिए पौलीडीह पंचायत के पूर्व

मुखिया अध्यक्ष कुमार सिंह के अलावा, मंदिर के कोपायक्ष के कोपायक्ष नेशनल मेला को संपन्न

करने के लिए पौलीडीह पंचायत के पूर्व

मुखिया अध्यक्ष कुमार सिंह के अलावा, मंदिर के कोपायक्ष के कोपायक्ष नेशनल मेला को संपन्न

करने के लिए पौलीडीह पंचायत के पूर्व

मुखिया अध्यक्ष कुमार सिंह के अलावा, मंदिर के कोपायक्ष के कोपायक्ष नेशनल मेला को संपन्न

करने के लिए पौलीडीह पंचायत के पूर्व

मुखिया अध्यक्ष कुमार सिंह के अलावा, मंदिर के कोपायक्ष के कोपायक्ष नेशनल मेला को संपन्न

करने के लिए पौलीडीह पंचायत के पूर्व

मुखिया अध्यक्ष कुमार सिंह के अलावा, मंदिर के कोपायक्ष के कोपायक्ष नेशनल मेला को संपन्न

करने के लिए पौलीडीह पंचायत के पूर्व

मुखिया अध्यक्ष कुमार सिंह के अलावा, मंदिर के कोपायक्ष के कोपायक्ष नेशनल मेला को संपन्न

करने के लिए पौलीडीह पंचायत के पूर्व

मुखिया अध्यक्ष कुमार सिंह के अलावा, मंदिर के कोपायक्ष के कोपायक्ष नेशनल मेला को संपन्न

करने के लिए पौलीडीह पंचायत के पूर्व

एक नजर

अस्पताल में इलाज के दौरान हो 80 वर्षीय व्यक्ति की मौत

गढ़वा । चिनिया थाना क्षेत्र के खुरी गंव निवासी स्वर्णीय हरि यादव का पुत्र दशरथ यादव 80 वर्ष की मौत गढ़वा सदर अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई। घटना के संबंध में दशरथ यादव का पुत्र कैलाश यादव ने बताया कि खुरी गंव में दशरथ यादव को बुखार एवं दस्त हो रहा था।

क्षेत्रीय बाद उसके इलाज के शालालाप चिकित्सक से उसका इलाज करवाया जहां शालालाप चिकित्सक द्वारा उसे इंजेक्शन पानी दिया गया। लेकिन उसका कोई सुधार नहीं हुआ। इसके बाद उसे अंगीरा व्यक्ति में गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती करवाया जहां 2 घंटे इलाज के बाद उसकी मौत हो गई।

बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त, महिला

सहित चार लोग घायल

गढ़वा । गढ़वा थाना क्षेत्र के जो जोधपुरी गंव के पास मेटरसाइकिल दुर्घटना में महिला सहित चार लोग घायल हो गए। घायलों में टंडरी रोड थाना क्षेत्र के बजारी गंव निवासी नारायण चौधरी का पुत्र प्रभु चौधरी उसकी पत्नी रमणी देवी उसकी पुत्र प्रियंशु चौधरी एवं उसका साता भरात थाना क्षेत्र के कर्कोमा गंव निवासी राम गति चौधरी के पुत्र अजय कुमार चौधरी के नाम शामिल हैं सभी को इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

घटना के संबंध में अजय कुमार चौधरी ने बताया कि 19 अप्रैल को उसकी बहन को शादी थी।

इसमें पाता जीवि प्रभु चौधरी उसकी बहन यारतिहा देवी व उसकी भाऊं रितेश कुमार चौधरी शामिल होने आए हुए थे।

पेड़ पर चढ़कर डाली

काटता हुआ व्यक्ति गिरकर घायल, भर्ती

गढ़वा । गढ़वा थाना क्षेत्र के पिपरा खजुरी गंव के निवासी स्वर्णीय शेख बांचल का पुत्र शेख सिरजदीन पेड़ से गिरकर गम्भीर रूप से घायल हो गए। उसे इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती किया गया है।

घटना के संबंध में बताया कि एक व्यक्ति ने घर पर उपलब्ध नहीं हो रहा था।

पेड़ पर चढ़कर डाली

काटता हुआ व्यक्ति गिरकर घायल, भर्ती

गढ़वा । गढ़वा थाना क्षेत्र के पास स्थित एक पेड़ पर चढ़कर उसकी डाली को काट रहे थे। इसी दौरान पेड़ से गिरकर घायल हो गए घटना की जानकारी मिलने के बाद परिज्ञान नहीं हुआ।

कार अनियंत्रित होकर महुआ के पेड़ से टकराई

पाच लोग घायल

श्री बृंशीधर नारा । श्री बृंशीधर

नगर अनुसुन्धान बुखार यात्रा में आए

दिन साइक्ल दुर्घटना थामने का नाम

नहीं ले रखा है। पहली दुर्घटना

बृंशीधर नगर विशुनपुरा मुख्य

मार्ग पर शुक्रवार की बीती रात

जंगीपुर गंव के समीप एक कार

अनियंत्रित होकर महुआ के पेड़

से टकराया। घटना के दौरान उक्त

कार पर पांच युवक सवार थे।

आपस पांच युवक सवार कर

अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया।

हालांकां पांच लोगों में तीन युवक घायल हुए।

यात्राओं में सभी महिला आव

थाना क्षेत्र के महिला निवासी

राजेश विश्वकर्मा की 20 वर्षीय

पुत्र रोनक विश्वकर्मा, अशेष

सिंह की 20 वर्षीय पुत्र गोलू रिंग

तथा कर्मल गंव के पास सुधाकर

सिंह की 21 वर्षीय गंव निवासी अंशक

सिंह का नाम शामिल है।

अनुप्रिया बनी

विद्यालय टॉपर

गढ़वा । इस वर्ष बालिका उच्च

विद्यालय समाज का मैट्रिक परीक्षा

परिणाम 96.46 प्रतिशत रहा।

इसकी जानकारी देते हुए प्रभारी

प्रधानाध्यापक धर्मदेव उर्जाव

के लिए इलाज की कुल 283

ज्ञात्राओं ने सफलता

प्राप्त की तथा 10 ज्ञात्रां अस्पत

ल हो गई। 86.60 प्रतिशत अंक

लाकर अनुप्रिया कुमारी विद्यालय

टॉपर बनी। विद्यालय टॉपर में

83.80 प्रतिशत सुहानी गुरु दुर्गा

स्वर्गी, 82.00 प्रतिशत गौरी गुप्ता

तीसरा, 81.80 प्रतिशत जूली

कुमारी चौधरी छाती, 79.60 प्रतिशत

बूद्धी कुमारी सातवां, 79.60 प्रतिशत

जूली अंशकीर्णा आठवीं, 78.20 प्रतिशत गंव की खुरी गंव में सफल

हुई है। धर्मदेव उर्जाव

के लिए इलाज की कुल 233

ज्ञात्राओं की परीक्षा में

उत्तीर्ण हुई।

प्रधारी ने बताया कि इलाज

के लिए इलाज की कुल 233

ज्ञात्राओं की परीक्षा में

उत्तीर्ण हुई।

प्रधारी ने बताया कि इलाज

के लिए इलाज की कुल 233

ज्ञात्राओं की परीक्षा में

उत्तीर्ण हुई।

प्रधारी ने बताया कि इलाज

के लिए इलाज की कुल 233

ज्ञात्राओं की परीक्षा में

उत्तीर्ण हुई।

प्रधारी ने बताया कि इलाज

के लिए इलाज की कुल 233

ज्ञात्राओं की परीक्षा में

उत्तीर्ण हुई।

प्रधारी ने बताया कि इलाज

के लिए इलाज की कुल 233

ज्ञात्राओं की परीक्षा में

उत्तीर्ण हुई।

प्रधारी ने बताया कि इलाज

के लिए इलाज की कुल 233

ज्ञात्राओं की परीक्षा में

उत्तीर्ण हुई।

प्रधारी ने बताया कि इलाज

के लिए इलाज की कुल 233

ज्ञात्राओं की परीक्षा में

उत्तीर्ण हुई।

प्रधारी ने बताया कि इलाज

के लिए इलाज की कुल 233

ज्ञात्राओं की परीक्षा में

उत्तीर्ण हुई।

प्रधारी ने बताया कि इलाज

के लिए इलाज की कुल 233

ज्ञात्राओं की परीक्षा में

उत्तीर्ण हुई।

प्रधारी ने बताया कि इलाज

के लिए इलाज की कुल 233

ज्ञात्राओं की परीक्षा में

उत्तीर्ण हुई।

प्रधारी ने बताया कि इलाज

के लिए इलाज की कुल 233

ज्ञात्राओं की परीक्षा में

उत्तीर्ण हुई।

प्रधारी ने बताया कि इलाज

के लिए इलाज की कुल 233

ज्ञात्राओं की परीक्षा में

उत्तीर्ण हुई।

प्रधारी ने बताया कि इलाज

के लिए इलाज की कुल 233

ज्ञात्राओं की परीक्षा में

उत्तीर्ण हुई।

लोकसभा सीट के नामांकन में रालोजपा के प्रदेश अध्यक्ष रहेंगे मौजूद- राज

प्रेस विज्ञप्ति, सूचना

चतुरा जिलान्तर्गत केन्द्र सरकार/ केन्द्रीय लोक उपक्रम/ राज्य सरकार के विभागों/ कार्यालयों के पव

आयोग के आदेशानुसार लोक सभा आम चुनाव 2024 के सफल संचालन हेतु सेक्टर पदाधिकारी एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारी का प्रशिक्षण कायर्क्रम जिला काशील विकास कंड़, (टी.एम.एफ.टी.) चतरा में दिनांक 23.04.2024 को समय 10.00 AM से 01.00 PM तक निम्न रूप से आयोजित किया जाता है, प्रशिक्षण में भाग लेने वाले सेक्टर पदाधिकारी एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारी का नाम निम्नतर है:-	76	P.O, MAGADH SANGHMITRA AREA BACHRA TANDWA	VINOD KUMAR RANA - 90382235	SR. OFFICER MIN.	8210873698	Pathalgada	2	Pradeep Kumar Singh, ASI, 9835929283 , 9006827801
	77	P.O, MAGADH	PITLU KUMAR	MT (MINING)	92108777549	P. H. L. I.	3	Ajju Kishan Tuli ASI

Sl. No.	OFFICE NAME	OFFICERS NAME	DESIGNATION	MOBILE NO.	BLOCK/ SECTOR	SECTOR NO	Name and Number of Police sector officer
1	RWD OFFICE CHATRA	GRENDR A KUMAR SHARMA	J.E	6201014532	CHATRA	1	ANESHWAR SINGH (S.I.) 954697985
2	RD SPL DIVN CHATRA	PIYUSH KUMAR SINGH	J.E.	7261839392	CHATRA	2	LAKHRAJ SINGH (A.S.I) 6201614757
3	CIRCLE OFFICE CHATRA	ANIL KUMAR SINGH	C.I	9431968858	CHATRA	3	WAJID ALI, SI 8235287473
4	BAZAR SAMITI CHATRA	RAJESH ROSHAN TIRKEY	MARKET SUPERVISOR	90060022080	CHATRA	4	BIRENDRANATH MAHTO (A.S.I) 7004916273
5	DISTRICT BUILDING DIVISION OFFICE CHATRA	SOMAR MANJHI	A.E.	8789129820	CHATRA	5	GANESH SAHU, ASI- 9430101020, 7488096254
6	DRINKING WATER & SAN. DIVN. CHATRA	SANU SANGAM	J.E.	8295843807	CHATRA	6	GHANSHYAM PRASAD SINGH (A.S.I) 7033405220, 6207975049
7	DRINKING WATER & SAN. DIVN. CHATRA	AMIT KUMAR	J.E.	9953460899	CHATRA	7	MUNESHWAR CHOUDHARY, ASI- 7762006298
8	DRINKING WATER & SAN. DIVN. CHATRA	VIPUL TIRKY	J.E.	9304697229	CHATRA	8	SUNIL KUMAR, (S.I) 6201117981
9	CIRCLE OFFICE CHATRA	SATISH PRASAD	RSI	9123206492	CHATRA	9	SATARI TAPE (A.S.I) 94313391035, 7903273346, 906812552
10	CIRCLE OFFICE CHATRA	DHARMENDRA KUMAR	RSI	9905723523	CHATRA	10	SAFIQ ANSARI (A.S.I) 7295875985, 8340341763
11	ARCS OFFICE CHATRA	AMIYE KUMAR	CEO	8210088401	CHATRA	11	RAMANUJ SINGH, (S.I) 6203898601, 9431380631
12	CIRCLE OFFICE CHATRA	RAJ KUMAR	RSI	8804028302	CHATRA	12	SAILESH KUMAR RAI, (ASI)- 9431933794
13	ARCS OFFICE CHATRA	JOHN KUMAR MARANDI	CEO	8969398088	CHATRA	13	SAHABIR ORAON, SI- 7250818410
14	AMRAPALI OC TANDWA	KEDARNATH PANDEY	SR. OFFICER (SURVEY)	9939148724	CHATRA	14	BINOD KUMAR TIWARY-02 (ASI) 9471178822
15	DISTT. FISHERY OFFICE CHATRA	KANDAN HEMBROM	FEO	9934118880	CHATRA	15	NAVMI PRASAD SINGH, (S.I)- 7903462993
16	CO OFFICE GIDHOUR	MANOJ KUMAR MAHATO	AMIN	7004314295	GIDHOUR	1	NANDLAL RAM, (S.I) 9472751429
17	P.O. MAGADH SANGHMITRA AREA BACHRA TANDWA	MOHD. SADIQ - 95001743	MANAGEMENT TRAINEE (CD)	9870729852	GIDHOUR	2	Sri Ram Kumar Tudu, (A.S.I) 827111670, 979868772
18	P.O. MAGADH SANGHMITRA AREA BACHRA TANDWA	KUMAR DEEN BANDHU - 95002476	SR. OFFICER MIN.	9754883017	GIDHOUR	3	Sri Vidyanand Sharma, (A.S.I) 7667369242
19	P.O. MAGADH SANGHMITRA AREA BACHRA TANDWA	MUKESH PARASNATH SINGH - 95002478	SR. OFFICER MIN.	9823070186	GIDHOUR	4	Sri Chotan Ram, (A.S.I) 7070946761, 9661869091
20	P.O. MAGADH SANGHMITRA AREA BACHRA TANDWA	NAGENDRA KUMAR DAS 26194001	SURVEYOR (MIN)	7903362781	GIDHOUR	5	ARVIND KUMAR RAVIDAS, SI, 7004864354
21	AMRAPALI OC TANDWA	ROSHAN KUMAR	SR. OFFICER (MINING)	8670715500	GIDHOUR	6	BRIKISHOR BESRA SI, 6207134396
22	AMRAPALI OC TANDWA	SHAUBIK DAS	SERVEYOR	8972111659	HUNTERGANJ	1	BIJAY KUMAR KINDO, S.I., 790355983, 9661432420
23	AMRAPALI OC TANDWA	RAMESHWAR BHAGAT 90210519	SR. MANAGER (E&M)	8250659345	HUNTERGANJ	2	DANIYAR KUJUR, SI 8709251373
24	DSE OFFICE CHATRA	KANAN KR PATRA	BEEO HUNTERGANJ	9304965605	HUNTERGANJ	3	MISIL SOREN, SI-8102379859
25	BLOCK OFFICE HUNTERGANJ	ANAND KUMAR	PANCHAVAT SACHIV	9608050844	HUNTERGANJ	4	Prahad Paswan, SI, 9006058094
26	AMRAPALI GM TANDWA	ROHIT	MANAGEMENT TRAINEE (MINING)	9911762210	HUNTERGANJ	5	VIJAY KUMAR, SI-7970959217
27	NH DIVISION	SANTOSH PRAJAPATI	J.E.	7870997285	HUNTERGANJ	6	KAILASH PRASAD SAH, SI 9304799671
28	BLOCK OFFICE HUNTERGANJ	SITARAM PANDEY	PANCHAVAT SACHIV	95080507896	HUNTERGANJ	7	SUNIL KUMAR SINGH, (S.I)- 7909135311, 6204828118
29	G.M. MAGADH SANGHMITRA AREA BACHRA TANDWA	V.K. Patel 90150095	Sr. Manger(Survey)	9340209578	HUNTERGANJ	8	SHANKAR KUMAR SINGH, ASI- 7549401885, 9122614116
30	BLOCK OFFICE HUNTERGANJ	BHUNESHWAR THAKUR	PANCHAVAT SACHIV	8189093229	HUNTERGANJ	9	RAM PRAVESH SINGH, SI- 9122081547
31	CO OFFICE HUNTERGANJ	SHANKAR RAVIDAS	RSI	8294014256	HUNTERGANJ	10	ASHOK KUMAR PANDAY, SI - 9431545206
32	MAGDH SANGHMITRA OFFICE	VIKASH KUMAR BHAGAT 14556641	OVERSEER (CIVIL)	6203877526	HUNTERGANJ	11	SONI KHALKHO, ASI- 9534151593
33	G.M. MAGADH SANGHMITRA AREA BACHRA TANDWA	SATYA NARAYAN SAH 90211269	Sr. MANAGER (MIN)	9438312415	HUNTERGANJ	12	HARDIWAR PRASAD MANDAL, SI-6207982239
34	ARCS OFFICE CHATRA	ANIL KUMAR GUPTA	BCEO	7407003633	HUNTERGANJ	13	DILBAAG SINGH, SI- 9973076334
35	P.O. MAGADH SANGHMITRA AREA BACHRA TANDWA	RAJENDRA PRASAD SHARMA 12070496	SR SURVEYER MINE	9113378195	HUNTERGANJ	14	CHUNCHUN KUMAR, SI- 7281834671
36	P.O. MAGADH SANGHMITRA AREA BACHRA TANDWA	RAGHUNATH MARANDI 14540009	OVERSEER (CIVIL)	9771763802	HUNTERGANJ	15	Dashrath Ghosh (A.S.I), 9279540951, 947013564
37	DISTRICT AUDIT COOPERITION COMMITTEES	ARJUN KUMAR	SENIOR AUDIT OFFICER-CUM-BSO	7909015173	HUNTERGANJ	16	PRABHA KUMARI, SI- 6200175797, 8789541909
38	AMRAPALI OC TANDWA	BABAN KUMAR BAGHEL	SR. OFFICER (MINING)	9002884101	ITKHORI	1	KUSO MAHATO, SI - 6200273108
39	AMRAPALI GM TANDWA	PANKAJ KUMAR	DY. MANAGER (MINING)	7261020594	ITKHORI	2	PANKAJ KUMAR, ASI- 9470112436, 9262241513
40	AMRAPALI GM TANDWA	MD. ADNAN FAROOQUE	ASST. MANAGER CIVIL	7903129804	ITKHORI	3	Teklai Thakur, ASI, Mo - 8343564063
41	AMRAPALI GM TANDWA	PRakash SHIVDASANI	ASST. MANAGER MIN.	7987140367	ITKHORI	4	KAMLESHWAR BAITHA, ASI- 7488474742, 9931648915
42	AMRAPALI OC TANDWA	SASHI SINGH	MANAGEMENT TRAINEE (MINING)	7764089852	ITKHORI	5	Vijay Kumar Singh, SI, Mo - 7488845225
43	BLOCK OFFICE ITKHORI	NIRAJ KUMAR SINHA	BCO	7488662236	ITKHORI	6	AJEET KUMAR SAXENA, ASI- 6205060528, 9304742264
44	CO OFFICE ITKHORI	PRAKASH KUMAR	AMIN	9507372996	ITKHORI	7	ASHISH PRASAD, SI- 8340327337
45	DRINKING WATER & SAN. DIVN. CHATRA	MANGAL SINGH BAHANDA	JE	8674928011	ITKHORI	8	Lalan Dubey, ASI, Mo - 6201242085
46	AMRAPALI GM TANDWA	BHUPATIRAJU DUTTA KAWTHIK VURRMIA	ASST. MANAGER FIN.	8008634049	ITKHORI	9	Abishek Kumar Singh, SI- 9936027727
47	AMRAPALI GM TANDWA	ABHISHEK CHATOPADHYAY	ASST. MANAGER FIN.	7209413954	ITKHORI	10	Ravindra Tiwari, ASI- 9504048955, 94317725461
48	CO OFFICE ITKHORI	RAJENDRA PRASAD DANGI	R.S.I	9430113647	ITKHORI	11	PRAYAG DAS, SI- 7991189416
49	CO OFFICE KANHACHATTI	ASHOK KUMAR	RSI	9470963191	Kanhachatti	1	NIRAJ KUMAR RAJAK, ASI- 9431119082, 8102117390
50	AMRAPALI OC TANDWA	ASHOK KUMAR A MANDAL 90234840	MANAGER (MINING) VTC INCHARGE	877088434	Kanhachatti	2	UPENDRA KUMAR, SI- 971915853
51	KRISHI VIGYAN KENDRA, CHATRA	SHARMA ORAON	SCIENTIST	9162184472	Kanhachatti	3	SHIVMANI PASWAN, SI- 7033893902
52	KRISHI VIGYAN KENDRA, CHATRA	VINOD KUMAR PANDEY	SCIENTIST AG. ENGG.	7985437970	Kanhachatti	4	SUNIL SINGH, SI-9123240582
53	AMRAPALI OC TANDWA	SAMIR MINU 90325631	DEPUTY MANAGER (MINING)	9931138207	Kanhachatti	5	Sukhnath Pansey (ASI) 9113470055
54	P.O. MAGADH SANGHMITRA AREA BACHRA TANDWA	Soumyajit Nandi 14568992	Surveyor (Min)	7797126850	Kanhachatti	6	Rajesh Ram (ASI) 6203005193
55	BLOCK OFFICE KANHACHATTI	BHIM KUMAR SAW	PANCHAVAT SACHIV	9102551886	Kanhachatti	7	RAHUL DUBEY, SI- 8851908367
56	BLOCK OFFICE KANHACHATTI	SHESH KUMAR SINGH	PANCHAVAT SACHIV	9123473884	Kanhachatti	8	SANGEETA MINJ, ASI- 9471762852, 8789505659
57	BLOCK OFFICE KANHACHATTI	MUKESH KUMAR SINGH	V.L.W	8210337527	Kanhachatti	9	UPENDRA NARAYAN SINGH, ASI- 9431227663
58	P.O. MAGADH SANGHMITRA AREA BACHRA TANDWA	RAJESH KUMAR PRAJAPATI - 14534754	SURVEYOR MIN.	8789010169	Kunda	1	TRITH RAJ TIWARI-SI- 8825313255, 9470117880
59	P.O. MAGADH SANGHMITRA AREA BACHRA TANDWA	Sri Ghansham Vishwakarma 14565030	Surveyor (Min)	8109633760	Kunda	2	VICTORIA TOPPO, SI- 9934512066
60	BLOCK OFFICE KUNDA	MURALI RAM	PANCHAVAT SACHIV	6207172270	Kunda	3	NAVIN CHANDRA SINGH, SI- 7992397679
61	BLOCK OFFICE KUNDA	MUKESH KUMAR YADAV	PANCHAVAT SACHIV	8709490702	Kunda	4	MANAV MAYANK, SI- 9472731980, 9102049214
62	P.O. MAGADH SANGHMITRA AREA BACHRA TANDWA	ASHOK KUMAR - 90145335	SR. MANAGER (MIN.)	9617724696	Lawalong	1	BHOLA SAH, SI- 7631055481
63	P.O. MAGADH SANGHMITRA AREA BACHRA TANDWA	AJAY KUMAR SINHA - 90167305	CHIEF MANAGER E&M	9931223445	Lawalong	2	BISHESHWAR BHAGAT, ASI- 9835951669, 6205219068
64	P.O. MAGADH SANGHMITRA AREA BACHRA TANDWA	DEBARAJ SETHY - 90217670	SR. MANAGER (MIN.)	9937003397	Lawalong	3	RAJENDRA NATH MUNDA, ASI- 9006892789
65	P.O. MAGADH SANGHMITRA AREA BACHRA TANDWA	SATNARAYAN PRASAD - 90301318	DY. MANAGER MIN.	8292413476	Lawalong	4	DILEEP YADAV, ASI- 6201508427, 8804914221
66	P.O. MAGADH SANGHMITRA AREA BACHRA TANDWA	SATISH KUMAR - 90302811	MANAGER (EXCAVATION)	9708691200	Lawalong	5	AMIT KUMAR, ASI- 8969793177
67	BLOCK OFFICE LAWALONG	NAGESHWAR YADAV	PANCHAVAT SACHIV	7033515050	Lawalong	6	DHANJAY PRASAD, ASI- 971725665
68	P.O. MAGADH SANGHMITRA AREA BACHRA TANDWA	AMRESH KUMAR - 90301300	ASST. MANAGER MIN.	8987787403	Lawalong	7	SANJAY KUMAR, ASI- 9110103690, 9973070571
69	BLOCK OFFICE MAYURHAND	Chandan Kumar Ram	V.L.W	93040			

लोक प्रशासन

सिविल अधिकारियों की जिम्मेदारी और कठिनाई पर चर्चा जल्दी

भारतीय प्रशासनिक सेवा ने बड़ा लम्बा सफर तय किया है। वैदिक काल से लेकर आधुनिक काल तक प्रशासन का मुख्य लक्ष्य लोकहित ही रहा है। उनकी योग्यता और प्रतिभा बेजोड़ रही है। लेकिन तमाम ज्ञान गरिमा से युक्त होने के बावजूद वे भारतीय जनमानस के आत्मीय वित्त साधक नहीं बन सकते।

प्रशासन आर भारतीय जनता के मध्य दूरा ह। प्रशासन एक तरह से स्थाई कार्यपालिका है। इसके कामकाज में आमजनों के साथ सम्पर्कों में संवेदनशीलता का अभाव देखा गया है। संविधान सभा में अनेक सदस्यों ने अंग्रेजीराज के सिविल ढांचे को समाप्त करने की मांग की थी। सरदार पटेल ने कहा था, ‘‘हमने इनके साथ कठिन समय में काम किया है। मेरे ख्याल से इन्हें बनाए रखना जरूरी है।’’ पटेल ने स्वतंत्र भारत के सिविल अधिकारियों की पहली खेप को 21 अप्रैल को 1947 में सम्बोधित किया था। यह एक महत्वपूर्ण क्षण था। इसीलिए इस तिथि को सिविल सेवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। तब से 77 वर्ष बीत गए। संवेदनशील प्रशासन राष्ट्रीय अपरिहार्या है। उत्कृष्ट प्रशासन प्राचीन काल से ही किसी न किसी रूप में समाज के लिए जरूरी रहा है। भारत का वर्तमान प्रशासन प्राचीन काल की प्रशासनिक व्यवस्थाओं का विकास है। इसका प्राचीनतम स्वरूप ऋग्वैदिक काल में भी मिलता है। ऋग्वेद के समाज की सबसे छोटी इकाई कुटुम्ब या परिवार थी। परिवार का सबसे वरिष्ठ कुटुम्ब का प्रधान संचालक होता था। घर के मुखिया को बात सब लोग मानते थे। अनेक परिवारों से मिलकर बनने वाली राजनीतिक इकाई ‘ग्राम’ थी। राजनीतिक दृष्टि से ग्राम का प्रमुख ग्रामणी कहलाता था। वह स्वयं ग्राम का प्रशासनिक अधिकारी भी था। अनेक ग्रामों से बनी बड़ी इकाई विश कहलाती थी। विश के प्रशासनिक अधिकारी को विशपति कहते थे। विश से बड़ी इकाई जन होती थी। जन के संचालक प्रशासनिक अधिकारी को गोप

कहा जान क सपोत्राक राजसांखक जापकरा का नाम कहा जाता था। गोप प्रायः राजा ही होते थे। ऋग्वैदिक समाज में गणतंत्र भी थे। राजा निरंकुश नहीं था। राजा राज्याभिषेक के समय प्रजा के हित में काम करने की शपथ लेता था। राजा को जवाबदेह बनाने वाली दो लोकतांत्रिक संस्थाएँ भी थीं। इन्हें सभा और समिति कहा गया। लुडविंग ने लिखा है, “समिति जनसाधारण की संस्था थी। सभा वरिष्ठों की संस्था थी।” उस समय के नियम सबको मान्य थे। नियम या विधि को ऋग्वेद में ‘धर्म’ कहा गया है। ग्रिथ ने धर्मन का अनुवाद लॉ या लॉज किया है। ग्राम में न्याय करने के लिए ग्रामवादिन नाम की न्यायालिक संस्था भी थी। वैदिक काल के बाद सिन्धु घाटी की सभ्यता का समय (2250 ईसापूर्व से 1750 ईसापूर्व तक) आता है। व्हीलर और पिगट के अनुसार मोहनजोदहो और हडप्पा के राज्य ठीक से संचालित थे। सिन्धु सभ्यता में सड़कें सुनिवेजित थीं। जल निकासी की व्यवस्था थी। अनुमान किया जाता है यहां नागरिक संस्थाएँ थीं। पिगट के अनुसार व्यवस्थित निर्माण कार्य से अनुमान लगता है कि यहां नगर पालिकाएँ जैसी संस्थाएँ भी रही होंगी। सम्पूर्ण सिन्धु क्षेत्र में प्रशासन व्यवस्थित था। उत्तर वैदिक काल में शक्तिशाली राजाओं का उदय दिखाई पड़त है। उत्तर वैदिक काल में प्रशासनिक काम करने वालों की संख्या बड़ी है। महाभारत में बड़े राज्यों का उल्लेख है। चन्द्रगुप्त मौर्य के काल में भारत ने पहली बार राजनैतिक एकता हासिल की। यह विशाल साम्राज्य था। चन्द्रगुप्त मौर्य स्वयं में योग्य प्रशासक थे। कौटिल्य का अर्थशास्त्र, मैगस्थनीज की ईडिका, अशोक के शिलालेख व यूनानी साहित्य में मौर्य शासन व्यवस्था की तमाम जानकारी हैं। भारतीय प्रशासन के विकास में मौर्य शासन के अनेक तत्व हैं। भारत परम्परा प्रिय देश है। यहां के समाज में कालवाह्य को छोड़ने और कालसंगत को जोड़ने की क्षमता रही है। वैदिक काल से लेकर आधुनिक काल तक लोक प्रशासन को जनोन्मुखी बनाने के प्रयास चलते रहे हैं। आदर्श राजव्यवस्था के संवेदनशील प्रशासन के विवरण कौटिल्य के अर्थशास्त्र में मिलते हैं और महाभारत में भी। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

ਲੜੀਆਹ ਮੈਂ ਕਿਵੇਂ

छत्तीसगढ़ में नक्सली चुन-चुन कर भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय नेताओं और कार्यकर्ताओं को निशाना बना रहे हैं और कांग्रेस, नक्सलियों के खिलाफ की जा रही शासन की कार्रवाई को फर्जी करार दे रही है। एक नजर देखा जाए तो पिछले पांच साल छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार रहते भूपेश बघेल का सीएम डॉ. मयंक चतुर्वेदी कार्यकाल नक्सलियों के लिए बहुत मुफीद रहा है। जब से सत्ता बदली है और भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने वापसी की है, यहां नक्सलियों को अपने अस्तित्व को बनाए रखने तक के लिए भारी चुनावी का सामना करना पड़ रहा है, जिसके कारण पूरे नक्सल खेमे में बेचैनी है। दूसरी ओर आज भी कांग्रेस और उसके भूपेश बघेल जैसे नेता हैं जोकि नक्सल खाने के लिए भाजपा सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर ही सवाल उठा रहे हैं। हालांकि एक बयान में तो भूपेश बघेल को पलटते हुए भी देखा गया, किंतु सवाल यह है कि यह नक्सलियों के समर्थन की सोच, फर्जी मुठभेड़ के दावे, जो जवान वीरगति को प्राप्त हुए और अन्य कई अब भी अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं, उनके प्रति संवेदनहीनता की पराकाष्ठा से भी परे नकारात्मक भावना कांग्रेस के नेता अपने अंदर किस विचारधारा से प्रेरित होकर लाते हैं? पहले 'जन धोषणा पत्र' के जरिए नक्सलवाद समाप्त करने का वादा, फिर पीछे हटे : दरअसल, यह कहने और पूछे जाने के पीछे कई ठोस प्रमाण मौजूद हैं। असल में 2018 में छत्तीसगढ़ राज्य विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी ने 'जन धोषणा पत्र' जारी किया था, उसे 2013 में झीरम घाटी में माओवादी हमले में मरे गए कांग्रेस नेताओं को समर्पित किया गया था। इसमें कहा गया था कि यदि छ.ग. में कांग्रेस की सरकार बनती है तो वह पूरी तरह से नक्सलवाद को प्रदेश में समाप्त कर देगी। धोषणा पत्र के क्रमांक 22 पर लिखा गया, 'नक्सल समस्या के समाधान

स्वामी, पारजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डया) प्रा.।
पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखण्ड द्वारा मुक्ति
कार्यालय : रांची रोड, रेडमा, मेदिनीनगर, (डालतन्त्रम)
गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लोहरदगा
अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवाला

भगवान महावीर हैं सार्वभौम धर्म के प्रणेता

सदियों पहले महावीर जन्मे। वे जन्म से महावीर नहीं थे। उन्होंने जीवन भर अनगिनत संघर्षों को ज्ञेला, कष्टों का सहा, दुख में से सुख खोआ और गहरा तप एवं साधना के बल पर सत्य तव पहुंचे, इसलिये वे हमारे लिए आदर्श की ऊँची मीनार बन गये। उन्होंने समझ दी कि महानता कभी भौतिक पदार्थ सुख-सुविधाओं, संकीर्ण सोच एवं स्वार्थी मनोवृत्ति से नहीं प्राप्त की जा सकती उसके लिए सच्चाई को बटोरना होता है, नैतिकता के पथ पर चलना होता है और अहिंसा की जीवन शैल अपनानी होती है। महावीर का संपूर्ण जीवन स्व और पर के अभ्युदय की जीवन त्रेरण है। लाखों-लाखों लोगों को उन्होंने अपने आलोक व आलोकित किया है। वे सार्वभौम वर्ष के प्रणेता थे, उनके मन में संपूर्ण प्राणिमात्र के प्रति सहअस्तित्व की भावना थी। इस वर्ष भगवान महावीर की 2550 वर्ष निर्वाण महोत्सव मनाया जा रहा है, उनकी जन्म जयन्ती एवं निर्वाण महोत्सव न केवल जैन धर्म के अनुयायियों के लिये बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिये उन्नत जीवन का आधार है, निर्वाण महोत्सव का भव आयोजन भारत सरकार के संस्कृत मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के प्रगति मैदान में भारत मंडप-सभागार में 21 अप्रैल, 2023 को चारों जैन सम्प्रदायों के आचार्यों मुनिराजों एवं श्रद्धालुओं की उपस्थिति

में करेंगे। भगवान महावीर की मूर्ति शिक्षा है— ‘हिंसा’। सबसे पहले ‘अहिंसा परमो धर्मः’ का प्रयोग हिन्दुओं का ही नहीं बल्कि समस्त मानव जाति के पावन ग्रंथ ‘महाभारत’ के अनुशासन पर्व में किया गया था। लेकिन इसके अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्धि दिलवायी भगवान महावीर ने। भगवान महावीर ने अपने वाणी से और अपने स्वयं के जीवन से इसे वह प्रतिष्ठा दिलाई कि अहिंसा वे साथ भगवान महावीर का नाम ऐसा जुनून गया कि दोनों को अलग कर ही नहीं सकते। अहिंसा का सीधा-साधा अभियान करें तो वह होगा कि व्यावहारिक जीवन में हम किसी को कष्ट नहीं पहुंचाएंगे किसी प्राणी को अपने स्वार्थ के लिए दुःख न दें। ‘आत्मानः प्रतिकूलात्मा परेषां न समाचरेत् इस भावना वे अनुसार दूसरे व्यक्तियों से ऐसा व्यवहार करें जैसा कि हम उनसे अपने लिए अपेक्षा करते हैं। इन्हाँ ही नहीं सभी जीव-जन्मतुओं के प्रति अर्थात् पूरे प्राणी वाले जीव मात्र के प्रति अहिंसा की भावना रखकर किसी प्राणी की अपने स्वार्थ व जीवन के स्वाद आदि के लिए हत्या न तो करें और न ही करवाएं और हत्या से उत्पन्न वस्तुओं का भी उपभोग नहीं करें। एक बार महावीर और उनका शिष्य गोशालक एक घने जंगल में चिचराया कर रहे थे। जैसे ही दोनों एक पौधे वे पास से गुजर रहे थे। शिष्य से दुश्मन बन चुके गोशालक ने महावीर से कहा— यह पौधा देखिए, क्या सोचते हैं आप इसमें फूल लगेंगे या नहीं लगेंगे

देखकर गोशालक बहुत परेशान हुआ। गोशालक की उस पौधे को दोबारा उखाड़ फेंकने की हिम्मत न पड़ी। उल्लंघन की शिक्षा है - 'हिंसा'। सबसे पहले 'अहिंसा' की हिन्दुओं का ही नहीं बल्कि समस्त मानव 'महाभारत' के अनुशासन पर्व में किया गया था। तर्तारच्छ्री प्रसिद्धि दिलवायी भगवान महावीर ने अपनी वाणी से और अपने स्वयं के जीवन से इसे दर्शाया। किंतु अहिंसा के साथ भगवान महावीर का दृष्टिकोण ऐसा था कि दोनों को अलग कर ही नहीं सकते।



आने वाली मुश्किलों का समान करने के लिए जरूरी है, आशावादी रहना। भगवान महावीर का जन्म दिवस एक दस्तक है। उन्होंने बाहरी लड़ाई को मूल्य नहीं दिया, बल्कि स्व कर सुरक्षा में आत्म-युद्ध को जरूरी बतलाया। उन्होंने जो कहा, सत्य को उपलब्ध कर कहा। उन्होंने सबके अस्तित्व को स्वीकृति दी। 'णो हीणे णो अझिरते'- उनकी नजर में न कोई ऊँचा था, न कोई नीचा। उनका अहिंसक मन कभी किसी के सुख में व्यवधान नहीं बना। उन्होंने अपने होने का अहसास जगाकर अहं को खड़ा नहीं होने दिया। इसीलिये उनकी शिक्षाओं एवं उपदेशों का हमारे जीवन और विशेषकर व्यावहारिक जीवन में विशेष महत्व है। हम अपने जीवन को उनकी शिक्षाओं के अनुरूप ढाल सकें, यह अधिक आवश्यक है लेकिन इस विषय पर प्रायः सनाटा देखने को मिलता है। हम महावीर को केवल पूजते हैं, जीवन में धारण नहीं करते हैं। हम केवल कर्मकाण्ड और पूजाधि सीमें ही लगे रहते हैं। महावीर का यह संदेश जन-जन के लिये सीख बने- पुरुष ! तू स्वयं अपना भगविधाता है।' औरें के सहरे मुकाम तक पहुँच भी गए तो क्या? इस तरह की मर्जिलें स्थायी नहीं होती और न इस तरह का समाधान कारगर होता है। भगवान महावीर कितना सरल किन्तु सटीक कहा हैं- सुख सबको प्रिय है, दुःख अप्रिय। सभी जीना चाहते हैं, मरना कोई नहीं चाहता। हम जैसा व्यवहार स्वयं

1857 के क्रातिवारि शहाद पाड़िय गणपत दाय की शहादत पर विशेष

दक्षेण भारत मे भाजपा को भरोसा योगी व प्रभोद सांवत पर

भाजपा इस बार दक्षिण भारत का जग में अपना सशक्त उपस्थिति दर्ज करवाने के लिए जी-जान लगा रही है। वह इस चुनावी जंग में अपने प्रतिद्वंद्यों को किसी भी सूरत में कोई स्पेस देने के मूड़ में नहीं है। जिनको लगता है कि भाजपा का दक्षिण भारत आरके सिन्हा में कोई वज्र ही नहीं है, वे घोर मुगालते में हैं। भाजपा इस बार इन राजनीतिक अल्प-जनायिंगों को पूरी तरह से गलत साबित करना चाहती है। दक्षिण भारत के राज्य भाजपा के लिए अब तक कठिन चुनौती वाले प्रदेश रहे हैं, इसमें कोई दोराय नहीं है। लेकिन, अब परिस्थितियां बदली हैं। इस बार पार्टी ने दक्षिण भारत में चुनावी स्थितियों को अपने पक्ष में मोड़ने का मन ही नहीं बनाया, बल्कि वह संकल्प किया हुआ है। वास्तव में 2024 का लोकसभा चुनाव भाजपा के संबंध में दक्षिण की धारणा को पूरे समाज, मीडिया और समीक्षकों की राय बदलने में भी अहम भूमिका निभा सकता है। भाजपा ने अपने दो बेहद तेजतरीर मुख्यमंत्रियों क्रमशः योगी आदित्यनाथ और प्रमोद सावंत को दक्षिण भारत में सघन चुनाव अभियान की जिम्मेदारी सौंपी है। ये दोनों ही अपने कुशल नेतृत्व के चलते उत्तर प्रदेश और गोवा को विकास की बुलदियों पर लेकर जा रहे हैं। प्रमोद सावंत कर्नाटक में भाजपा के उमीदवारों के पक्ष में जमकर कैपेन कर रहे हैं। वे कर्नाटक में अपना भाषण कन्नड़ में ही देते हैं। जाहिर है, इस बजह से वे तुरंत स्थानीय जनता से संबंध स्थापित कर उड़ें प्रभावित करते हैं। योगी आदित्यनाथ को भी दक्षिण भारत के अन्य राज्यों में प्रचार करना है। योगी आदित्यनाथ और प्रपोद सावंत की अखिल भारतीय छवि बन चुकी है। योगी आदित्यनाथ पूर्व में कर्नाटक में कैपेन



वहां पर उनका अभूतपूर्व स्वयंगत हाता है। इस बाच, तमिलनाडु उन अनूठे राज्यों में से एक है, जहां 87 फीसद से अधिक हिंदू आबादी है। यह उन राज्यों में एक है जहां राष्ट्रीय दलों यानी भाजपा और कांग्रेस की उपस्थिति अब तक काफी कमज़ोर रही है। हां भाजपा कोयंबटूर और कन्याकुमारी में जरूर अच्छे बाट जुटाती रही है। तमिलनाडु में भाजपा मजबूत नहीं हुई। इसका सबसे बड़ा कारण राज्य में नेतृत्व का अभाव रहा, कई भाजपा नेता विवादास्पद बयान के लिए जाने जाते रहे। लेकिन, प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने इस धारणा को बदल दिया है। और फिर पूर्व आईपीएस अधिकारी के अन्नामलाई को तमिलनाडु भाजपा का अध्यक्ष बनाए जाने के बाद दक्षिणी राज्य में भाजपा की संभावनाएं काफी बढ़ गई हैं। अन्नामलाई राज्य में पार्टी के लिए जमीन तैयार करने में काफी हाद तक सफल भी हुए हैं। मोदी और शाह लगातार अन्नामलाई के नेतृत्व को अपना समर्थन दे रहे हैं। भाजपा ने इसी आधार पर तमिलनाडु में अकेले 23 सीटों पर चुनाव लड़ने का साहस दिखाया। तमिलनाडु में 19 अप्रैल के मतदान हुआ। भाजपा को लगता है कि वह इस बार तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में भी चौंकाने वाले नहीं देगी। दक्षिण भारत में लोकसभा की कुल मिलाकर 130 सीटें हैं। इसमें तमिलनाडु (39), कर्नाटक (28), आंध्र प्रदेश (25), तेलंगाना (17), केरल (20) और पुदुचेरी (1) शामिल हैं। कांग्रेस ने 2019 में दक्षिण से 28 लोकसभा सीटें जीती थीं। इसमें केरल में 15, तमिलनाडु में 8, तेलंगाना में तीन, कर्नाटक में एक और पुदुचेरी में एक, जबकि भाजपा ने कर्नाटक में 25 और तेलंगाना में 4 सीटें जीती थीं। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

**गणपत याय की शहादत पर विशेष
महान क्रांतिकारी और गुरिल्ला युद्ध में
पारंगत ये शहीद पांडेय गणपत याय**



जन्म तिथि ७ जनवरी 1809
फँसी की तिथि 21 अप्रैल 185

छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के भरोसे चुनाव जितना चाहते हैं भूपेश बघेल?

के लिए नीति तैयार की जाएगी और वार्ता शुरू करने के लिए गंभीरतापूर्वक प्रयास किए जाएंगे। प्रत्येक नक्सल प्रभावित पंचायत को सामुदायिक विकास कार्यों के लिए एक करोड़ रुपये दिए जायेंगे, जिससे कि विकास के माध्यम से उन्हें मुख्यधारा से जोड़ा जा सके' संयोग देखिए, कांग्रेस को राज्य में भारी बहुमत मिला। यहां भूपेश बघेल ने 17 दिसंबर की जिस शाम को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, उसी रात 'जन घोषणा पत्र' की प्रति राज्य के मुख्य सचिव को सौंपी गई और इसी दिन भूपेश बघेल ने मंत्री परिषद की पहली बैठक भी बुलाई। बैठक में लिए गए तीन फैसलों में से एक निर्णय 'झीरम घाटी कांड' की एसआईटी जांच कराए जाने पर लिया गया था। यह एक महत्व का तथ्य है कि बस्तर की झीरम घाटी में 25 मई 2013 को भारत में किसी राजनीतिक दल पर नक्सली माओवाडियों के इस सबसे बड़े हमले में राज्य में कांग्रेस की पहली पक्षी के अधिकांश बड़े नेताओं समेत 32 लोग मरे गए थे। झीरम घाटी कांड भूलू से नहीं भूलता: एक तरह से देखा जाए तो कांग्रेस के वह सभी कदावर नेता एक बार में ही नक्सलियों द्वारा मार दिए गए, जोकि भविष्य में राज्य के मुख्यमंत्री और अन्य कई बड़े पदों के दावेदार होते। मसलन, तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष नदकुमार पटेल उनके बेटे दिनेश पटेल, विद्याचरण शुक्ल, बस्तर टाइगर कहलाने वाले महेंद्र कर्मा कवासी लखमा, मलकीत सिंह गैटू, योगेंद्र शर्मा और उदय मुदलियार के नाम प्रमुखता से लिए जा सकते हैं। इस नक्सली हमले की भयानकता कितनी अधिक थी, वह इस पूरी घटना से समझ आता है; जब 200 कांग्रेसियों का काफिला सुकमा से जगदलपुर जा रहा था तभी झीरम घाटी से गुजारे वक्त उसका नक्सलियों ने पेड़ गिराकर रास्ता रोक दिया। कोई कुछ छापा नक्सलीयों ने पीछे छिपे नक्सलियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। करीब डेढ़ घण्टे तक गोलियां चलती रहीं। इसके बाद नक्सलियों ने एक-एक गाड़ी को चेक किया। जिन लोगों की सांसें चल रहीं थीं, उन्हें फिर से गोली मारी गई। कुछ

जिंदा लोगों को बांधक बनाया गया। नक्सलियों ने बस्तर टाइगर महेंद्र कर्मा को करीब 100 गोलियां मारीं और चाकू से उनका शरीर पूरी तरह छलनी कर दिया। नक्सलियों ने उनके शव पर चढ़कर डांस भी किया था। यहां सवाल यह है कि कि पांच साल कांग्रेस की सरकार सत्ता में रह कर गई, लेकिन ‘झीरम घाटी’ मामले में जमीन पर हुआ कुछ नहीं? जिस ‘झीरम कांड’ को कांग्रेस छत्तीसगढ़ में अपने लिए सबसे बड़ा हमला करार देती नहीं थकती है, क्या उसकी यह जिम्मेदारी नहीं थी कि वह सत्ता में आने के बाद इस काण्ड के सभी गुनहगार नक्सलियों को सजा दें और अपने राज्य से नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंके। लेकिन सत्ता में रहने के बाद भी कांग्रेस की ‘भूपेश सरकार’ ने ऐसा कुछ नहीं किया। बघेल मुख्यमंत्री रहते हुए खुद ही संविधानिक व्यवस्था पर प्रश्न खड़ा करते रहे: कांग्रेस के तमाम नेता और स्वयं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पूरे पांच साल तक सत्ता का सुख भोगते रहे और नक्सल कार्रवाई के नाम पर समय गुजारते रहे। ऐसा इसलिए सच लगता है क्योंकि कांग्रेस के घोषणा पत्र और सरकार के लिए फैसलों में कोई समानता नजर नहीं आती। ‘झीरम घाटी कांड’ की जांच अदालतों में उलझी हुई है और नक्सल समस्या पर घोषित होनेवाली नीति का कहीं कुछ अता-पता नहीं मिला। भूपेश बघेल के मुख्यमंत्री रहते राज्य में नक्सलियों से वार्ता शुरू होने के संबंध में पूरे पांच साल तक कोई ब्लूप्रिंट सामने नहीं आया। इसके उलट वे कई अवसरों पर यह कहते रहे जरूर सुनाइ दिए कि उन्होंने माओवादियों से वार्ता करने की बात कभी नहीं कही थी, पीड़ितों से वार्ता करने की बात कही थी। आश्वर्य तो तब और अधिक होता है, जब भूपेश बघेल मुख्यमंत्री रहते हुए भी खुद ही संविधानिक व्यवस्था पर प्रश्न खड़ा करते हुए दिखाई दिए। छत्तीसगढ़ के ‘झीरम कांड’ से आठ साल बाद पर्दा उठाने के लिए ‘झीरम घाटी जांच आयोग’ के सचिव संतोष कुमार तिवारी ने दस खण्डों में चार हजार 184 पेज की रिपोर्ट राज्यपाल को सौंपी थी। कांग्रेस ने राज्यपाल को रिपोर्ट सौंपने पर

आपत्ति जताई, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्र सरकार पर ही प्रश्न खड़े कर दिए। न सिर्फ प्रश्न खड़े किए बल्कि जांच आयोग की पूरी रिपोर्ट को ही नकार दिया और कहा कि केंद्र सरकार इस जांच से षड्यंत्रकारियों बचाना चाह रही है। जबकि ‘झीरम रिपोर्ट’ आध्र प्रदेश के मुख्य न्यायाधीश प्रशांत मिश्रा ने तैयार की थी। यानी सीधे-सीधे न्यायालय पर ही यहाँ प्रश्न खड़े करने का काम भूपेश बघेल करते हैं। इस तत्कालीन समय में सीएम के इस बयान पर भाजपा के वरिष्ठ नेता बृजमोहन अग्रवाल ने कहा भी “भूपेश की कांग्रेस सरकार डर क्यों रही है? आयोग पर संदेह करना देश के कानून व्यवस्था पर संदेह करना है।” भूपेश बघेल के दो कदाचरण आए प्रमुखता से सामने: इस घटनाक्रम को आप गौर से समझेंगे तो भूपेश बघेल के दो कदाचरण स्पष्ट दिखाई देते हैं। पहला यह कि वे एक तरफ चुनाव से पूर्व सत्ता में आते ही जिस नक्सलवाद को छत्तीसगढ़ की धरती से समाप्त करने का जनता से वादा करते हैं, वह वादा सत्ता प्राप्त होते ही गायब हो जाता है। वह अपने लिखे ‘जन घोषणा पत्र’ के नक्सल समस्या से जुड़े विषय को ही भूल जाते हैं। दूसरा यह कि जिस झीरम घाटी की घटना ने कांग्रेस के एक बड़े नेतृत्व को ही समाप्त कर दिया, वह सत्ता में रहते हुए उनके परिवार वालों को न्याय नहीं दिला पाते। उसे न्यायिक या अन्य प्रक्रियाओं में ही उलझाए रखते हैं, जिसका कि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लाभ अंततः नक्सलियों को ही मिलता रहा है। विष्णुदेव साय सरकार कर रही नक्सल खात्मे पर कार्य तो भूपेश उठा रहे सवाल: वस्तुतः अब जब सत्ता बदले के बाद छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय भाजपा सरकार यहाँ से नक्सलवाद के खात्मे के लिए कार्य कर रही हो। सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के खिलाफ कश्मीर की तर्ज पर टारगेट बेस्ट आपरेशन शुरू कर दिया हो। इंटीलिजेंस ब्यूरो के इनपुट के आधार पर नक्सल प्रभावित इलाकों में घुसकर जवान नक्सलियों को टारगेट बना रहे हों।

बनाया जो अंग्रेजों को इस क्षेत्र में खदेड़ दिए।' शहीद पांडेय गणपत राय जी महान स्वतंत्रता सेनानी थे। जो देश के लिए अपना बलिदान दे दिए थे 1857 की क्रांति में इनका बहुत योगदान था जिसे देश वासी हमेशा याद रखेंगे। शहीद पांडेय गणपत राय का जन्म 17 जनवरी 1809 में लोहरदगा के भौरे गांव में हुआ था। 21 अप्रैल 1858 को रांची स्थित शहीद चौक में एक कदम के पेड़ पर अंग्रेजी हुक्मत द्वारा फांसी दी गई थी। देश के लिए बलिदान देने वाले इतिहास पुरुष के बारे में भी नए अध्ययन रत्त बच्चों को भी जाननी चाहिए। ज्ञात हो की दिनांक 16 अप्रैल से 23 अप्रैल तक शहीद स्मारक समिति रांची द्वारा शहीद स्मारक का आयोजन प्रत्येक वर्ष की जाती है आचार संहिता को ध्यान में रखते ही शहीद पांडेय गणपत राय को 21 अप्रैल 2024 को शाम 5 बजे से देशभक्तों द्वारा श्रद्धांजलि दी जायेगी। शहीद की महान वीरता और साहस के लिए उन्हें याद किया जाएगा। क्रांतिकारी आंदोलनों में पांडेय गणपत राय जी की भागीदारी झारखण्ड क्षेत्र में स्वतंत्रता आंदोलन में बहुत रही है। उनके योगदान और भागीदारी की याद में शहादत दिवस समारोह मनाया जाता है।

प्रपात्री शहीद पांडेय गणपत राय प्रभारी प्रचारार्थी, एस.एस.मेमोरियल महाविद्यालय रांची।
(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखण्ड द्वारा मुद्रित, रजिस्ट्रेशन नं. **RNI. 61316/94** पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13। प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेडमा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-83001, फोन नं.- 0651-3553943, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

राहुल और लालू समेत कई नेता आज सुबह पहुंचेंगे

नवीन मेल संवाददाता। रांची उलगुलान न्याय महारैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष शामिल होंगे। कांग्रेस के दोनों बड़े नेता रविवार के सुबह रांची एपरोर्ट पर पहुंचेंगे, वहाँ से वे सीधे होटल रेडेंस ब्लू जाएंगे। होटल में कुछ देर रुकने के बाद सीधे प्रश्न तारा मेंदान में आयोजित रैली में शामिल होंगे। इसके पहले राहुल गांधी नेता रविवार को भी झारखंड आपं थे, लेकिन वे देवघर एपरोर्ट से सीधे भागलुलूर के लिए रवाना हो गए। जहाँ झारखंड के कांग्रेस नेताओं ने उनका स्वागत किया। देवघर एपरोर्ट पर गोड्डा से लाकसभा चुनाव 2024 का उम्मीदीयों पांडेय सिंह और अन्य कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी की अगाधी की। उनके आलावा पौड़ेगाहट के विधायक प्रदीप यादव और जमाताडा के चर्चित विधायक इरफान अंसरी और अन्य स्थानीय नेता भी मौजूद थे। उलगुलान रैली में राजद सुप्रीमो लालू यादव के भी शामिल होने की सूचना है, उनके साथ बिहार के पूर्व डिटी सुप्रीम एपरोर्ट, होटल से लेकर रैली

भागलुलान जाने के क्रम में शुक्रवार को देवघर पहुंचे राहुल, दीपिका पांडेय सिंह व अन्य ने किया स्वागत

इंडी गठबंधन के उलगुलान रैली के लिए अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था, हर चौक चौराहे पर सुरक्षाकर्मी

उलगुलान रैली



एक मंच पर दूसरी बार होंगी कल्पना और सुनीता

कल्पना और सुनीता दिल्ली में इंडी गठबंधन की रैली में पहली बार दिल्ली की सीपी अरविंद केजरीवाल के पीछे सुनीता के बीच और पूर्व सीपी हेमंत सोरेन की पीछी कल्पना सोरेन एक साथ पहली बार खौज दी, एक बार फिर दोनों रांची की रैली में एक मंच पर दिखायी। दिल्ली की रैली अरविंद केजरीवाल के जेल जाने के बाद जाने के विरोध में आयोजित की गई है।

झामुमो विधायक लोबिन नहीं होंगे शामिल

लोबिन हेम्ब्रम उलगुलान रैली की सफलता के लिए इंडी गठबंधन पूरी ताकत के साथ जुटा है, वहीं झामुमो के के विधायक लोबिन हेम्ब्रम अपनाएं हुए हैं। विधायक लोबिन हेम्ब्रम ने इस महारैली को लेकर ना सिफ सवाल उठाया है, बल्कि इसमें शामिल होने से भी साफ इंकार कर दिया है। उल्लेखनीय हेम्ब्रम ने कहा कि अज परे गठबंधन के साथ उलगुलान करने की नीतक व्यापारी आ गई है। अगर कुछ था तो झामुमो अकेला ही काफी था। लोबिन हेम्ब्रम ने कहा कि शिवाय सोरेन ने तो आकेले ही झारखंड राज्य के अलावा उलगुलान किया था। तब तो कोई उनके साथ नहीं था, कोई गठबंधन नहीं था। वह सच्चाई की लड़ाई थी और उनकी अगुवाई में राज्य अलग हुआ।

